नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र

Centre for Narendra Modi Studies (CNMS)

www.namostudies.com

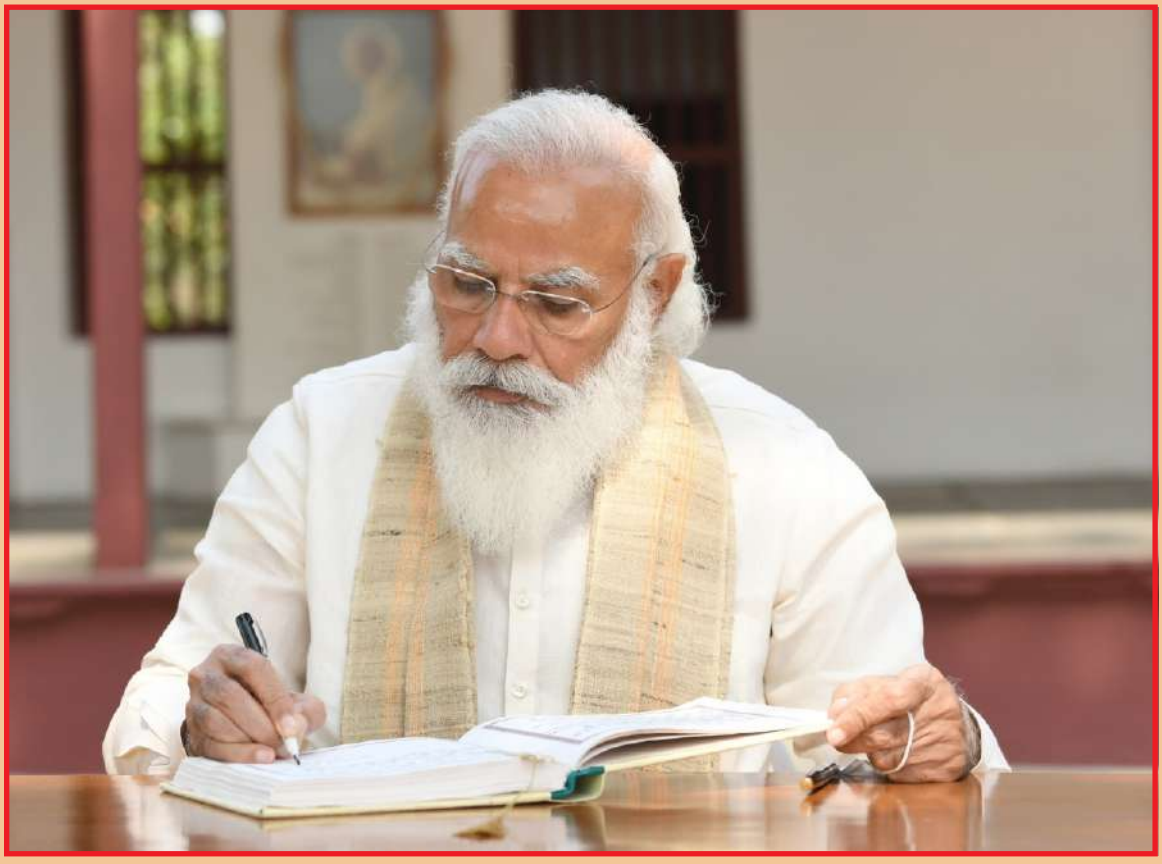

"पद्माकरं दिनकरो विकचीकरोति,
चन्द्रो विकासयति कैरवचक्रवालम्।
नाभ्यर्थितो जलधरोऽपि जलं ददाति,
संत स्वयं परहिते सुकृताभियोगः।।

—नीतिशतक, भर्तृहरि

बिना याचना किये सूर्य पूरे संसार को प्रकाश का दान करता है। चंद्रमा कुमुदिनी को बिना कहे उज्ज्वलता (प्रफुल्लता) प्रदान करता है। कोई प्रार्थना नहीं करता, तब भी बादल वर्षा कर देते हैं। उसी प्रकार संत हृदय (सहृदय) मनुष्य स्वयं ही बिना किसी दिखावे के दूसरों की सहायता करने के लिये सदैव तत्पर रहते हैं।

MoU

The centre will deal with academic research on the political, cultural and nation work of Prime Minister Narendra Modi's new India vision and former Prime Minister Chandrashekhar's idea of India. The institute's purpose is nation-building and dedication to the nation. YBT & CNMS signed a five year agreement for academic research.

- Padmashri Ram Bahadur Rai

16 July 2022
New Delhi

नरेंद्र मोदी : एक विचारधारा–एक दृटि, एक सोच का नाम है!

बिना याचना किये सूर्य पूरे संसार को प्रकाश का दान करता है। चंद्रमा कुमुदिनी को बिना कहे उज्ज्वलता (प्रफुल्लता) प्रदान करता है। कोई प्रार्थना नहीं करता, तब भी बादल वर्षा कर देते हैं। उसी प्रकार संत ह्रदय (सह्रदय) मनुष्य स्वयं ही बिना किसी दिखावे के दूसरों की सहायता करने के लिये सदैव तत्पर रहते हैं।

यह बात जिस तरह सदियों पुरानी है, उसी तरह इस कथन पर खरा उतरनेवाले व्यक्ति सदियों में पैदा होते हैं, जो निरूस्वार्थभाव से परहित और समाजसेवा को अपने जीवन का एकमात्र उद्देश्य बना लेते हैं और उसी के अनुरूप देश, समाज और मानवता की भलाई के लिए अनवरत, अहर्निश लगे रहते है, बिना इस बात की परवाह किए कि लोग उनके विषय में क्या सोचेंगे! प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी उसी तरह के व्यक्तित्ववाले एक ऐसे राजनेता कहे जा सकते हैं, जो अपने सोच, कार्य और विचार से अपनी वैश्विक छवि को न केवल शीर्ष पर स्थापित कर चुके हैं, बल्कि अपने व्यापक सोचसंवलित कार्यपद्धति से भारत को एक निश्चित दिशा में सतत गतिशील करने का महत् कार्य निरंतर कर रहे हैं! अपने पहले कार्यकाल में भारत के चहुंमुखी विकास की जो सुदृढ़ आधारशिला उन्होंने स्थापित की थी, उस पर प्रगति और विकास का भव्यभवन निर्मित करने की दिशा में वे असीम ऊर्जा और उत्साह के साथ निरंतर संलग्न हैं! भारत जैसे विशाल, बहुभाषी, विविधता से भरे बहुलावादी संस्कृतिवाले देश की अनेक कठिन राष्ट्रीय चुनौतियों के मध्य अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों को स्वीकार कर आगे बढ़ने का जैसा आत्मविश्वास श्री नरेंद्र मोदी में परिलक्षित होता है, वह उन्हें सबसे अलग स्थान पर प्रतिष्ठित करता है!

गुजरात के मुख्यमंत्री से भारत के प्रधानमंत्री तक की अनथक राजनीतिक यात्रा में श्री नरेंद्र मोदी ने अपनी कार्यशैली से पूरी दुनिया के शासकों को अनेक बार चौंकाया है! उनके शताधिक निर्णय, शताधिक

ओजस्वी भाषण, देश–विदेश की शताधिक उद्देश्यपूर्ण यात्राएँ मोदी जी की अपरिमित एवं अतुलनीय–अनुपमेय कार्यशैली के प्रमाण कहे जा सकते हैं! आज जिस तरह से विश्व के अधिकतर देशों, अंतरराष्ट्रीय मंचों, संस्थाओं में उनकी लोकप्रियता एवं सर्वस्वीकार्यता बढ़ी है, उससे उनके नेतृत्वकौशल का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। अनेक विरोधों और प्रतिरोधों के बावजूद मोदी जी के प्रतिद्वंद्वी भी उनके बहुत से निर्णयों से न केवल अवाक् रह जाते हैं, वरन् उन्हें स्वीकार करने के अलावा उनके पास कोई विकल्प नहीं रह जाता, भले ही सार्वजनिक तौर पर स्वीकार न कर पाना उनकी राजनीतिक विवशता हो।

ऐसे में अपनी वहुमुखी कार्यशैली से अपने कुशल नेतृत्वपरक व्यक्तित्व की चतुर्दिक वैश्विक छाप छोड़नेवाले मोदी के विचार और सोच को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए अपनी वर्तमान तथा आनेवाली पीढ़ी के अवलोकनार्थ एवं विचारार्थ उन्हें सहेज कर रखे जाने की न केवल आवश्यकता है, उसके प्रचार और प्रसार की दिशा में सक्रियता से कार्य किए जाने की भी आवश्यकता है!

श्री नरेंद्र मोदी के कार्य एवं व्यवहार को लेकर आज राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर न केवल व्यापक चर्चा– परिचर्चा हो रही है, बल्कि उन पर अनेक लेख, कार्यशालाएँ, पुस्तकों का लेखन, उन पर वृत्तचित्र से लेकर फिल्म निर्माण तक किए जा चुके हैं! उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक पुरस्कार एवं सम्मान दिए जा चुके हैं! भविष्य में अभी उन्हें न जाने कितनी अगणित उपलब्धियाँ प्राप्त होंगी! इन्हीं सारी बातों के केंद्र में मैं बहुत समय से एक ऐसी स्वयंसेवी संस्था के स्थापित किए जाने की दिशा में गंभीरता से विचार कर रहा था! एक लंबे सोचविचार, गंभीर चिंतन और व्यापक विचार विमर्श के बाद मैं उसे मूर्तरूप में देखना चाहता हूँ! 'नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र' उसी व्यापक सोच का एक सुचिंतित परिणाम है, जो मोदी जी के संबंध में किए जानेवाले संपूर्ण अध्ययनों को स्वयं में न केवल समाविष्ट करेगा, वरन् उनसे संबंधित पुस्तक लेखन, अध्ययन– शोध, परिसंवाद, परिचर्चा, सेमिनार, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, प्रतियोगिताओं आदि के लिए प्रमुख अकादमिक केंद्र बनेगा! यह भी सुखद है कि इसकी आधारशिला श्री नरेंद्र मोदी के सत्तरवें (70वें) जन्मदिवस के अवसर पर रखी गई है, जिससे उनके जन्मदिवस की विविध स्मृतियों को भी भव्यता के साथ अक्षुण्ण रखा जा सके!

एक वृहत् सोच के साथ यह एक सामाजिक अभियान है, जिसमें राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय स्तर के बुद्धिजीवियों, प्रशासनिक अधिकारियों, कलाकारों, शिक्षाविदों, समाज सेवियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, सामाजिक संस्थाओं आदि की भागीदारी अपेक्षित होगी! आइए, इस अभियान से जुड़कर 'नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र' की विकास यात्रा में अपना सहयोग दें और इसकी गतिविधियों के सुचारु कार्यान्वयन में सक्रिय सहभागी बनें! इस कामना के साथ–

"निगाहें कामिलों पर पड़ ही जाती हैं ज़माने की
कहीं छुपता है अकबर फूल पत्तों में निहाँ होकर"

नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र (नमो केंद्र)

विजन और मिशन

श्री नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र (नमो केंद्र) भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सोच, विचार, उनकी कार्यपद्धति, दृष्टि, पर आधारित साहित्यिक, सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक विषयों से संबंधित सामग्री आदि को केंद्र में रखकर गहन शोध और अनुसंधान के साथ अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए एक स्वतंत्र, पारदर्शी निष्पक्ष एवं उद्देश्यपूर्ण अकादमिक, सामाजिक संस्थान के रूप में विकसित किया जाएगा! यह संस्थान संवाद और विमर्श के माध्यम से सकारात्मक समाधान के लिए एक मंच के रूप में स्थापित किया जा रहा है। इसका प्रमुख उद्देश्य राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचार विमर्श और परिसंवाद करने के लिए देश में उपलब्ध सर्वोत्तम और संभावित संसाधनों से परिपूर्ण चिंतको, बुद्धिजीवियों, समाजसेवियों को एक साथ लाने की पहल करना है। इसके अतिरिक्त शांति और वैश्विक सौहार्द का कारण बनने वाली कोशिशों को बढ़ावा देना भारत की एकता और अखंडता पर असर डालने वाले सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक कारकों पर प्रभावी पर्यवेक्षण एवं हस्तक्षेप करना, चरमपंथ के साथ–साथ नीतिगत विकल्पों की पेशकश करने वाले सामाजिक और जातीय संघर्षों के कारणों का विश्लेषण करना, समाज के साथ बातचीत और विचारों के आदान–प्रदान के लिए संस्थागत समर्थन और परस्पर विरोधी समूहों के बीच संवाद कायम करना, समालोचनात्मक, सार्वजनिक नीति, लोकतांत्रिक संस्थाओं, संवैधानिक निकायों के कार्यों और सार्वजनिक संस्थानों में सुशासन एवं दक्षता के लिए मानक विकसित करना, संस्था के व्यापक उद्देश्य होंगे। ये समस्त उद्देश्य राष्ट्र–निर्माण' संबंधी व्यापक और प्रमुख कार्यों के साथ–साथ उच्च शिक्षा से संबद्ध संस्थानों, विश्वविद्यालयों और अकादमिक संस्थानों की परिधि में आते हैं। यह कहने में कोई संकोच नहीं कि अनेक अकादमिक निकाय और संस्थाएँ इन उद्देश्यों की पूर्ति की दिशा में व्यापक और गंभीरता से कार्य करने में विफल रही हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि इस तरह की अगंभीरता और अक्षमता के लिए उन निकायों की कार्यप्रणाली जिम्मेदार है। नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र (नमो केंद्र) का विश्वास और मानना है कि ऐसी कोई संस्था, जो हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उपयोगी और महत्वपूर्ण हैं, तब तक कोई उत्कृष्ट परिणाम नहीं दे सकती, जब तक उसे अकादमिकजगत से संबद्ध बुद्धिजीवी और सिविल सोसाइटी एक–दूसरे के साथ नियमित रूप से जुड़ नहीं जाते हैं। भारतीय लोकतंत्र को मजबूत आधार देने और एक सुदृढ़ एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में अपनी गहरी आस्था और दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ, यह नमो केंद्र इस दिशा में गहन अभिरुचि रखनेवाले देश–विदेश के प्रतिबद्ध लोगों के साथ मिलकर गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान पर सर्वोत्तम करने का प्रयास करेगा! विश्वास और भरोसा है कि इस तरह के अध्ययन और

केंद्र के सकारात्मक प्रयत्नों से शासनव्यवस्था में सुधार होगा और राष्ट्रीय सुरक्षा को व्यवस्थित और पुखख्ता आधार मिल सकेगा। केंद्र के व्यापक कार्यों में भारत की विदेश नीति को देश के दीर्घकालिक उद्देश्यों के लिए एकीकृत करना और संसद और अन्य प्रतिनिधि निकायों के साथ–साथ सार्वजनिक संस्थानों में अपेक्षित कार्यात्मक दक्षता लाना आदि सम्मिलित हैं।

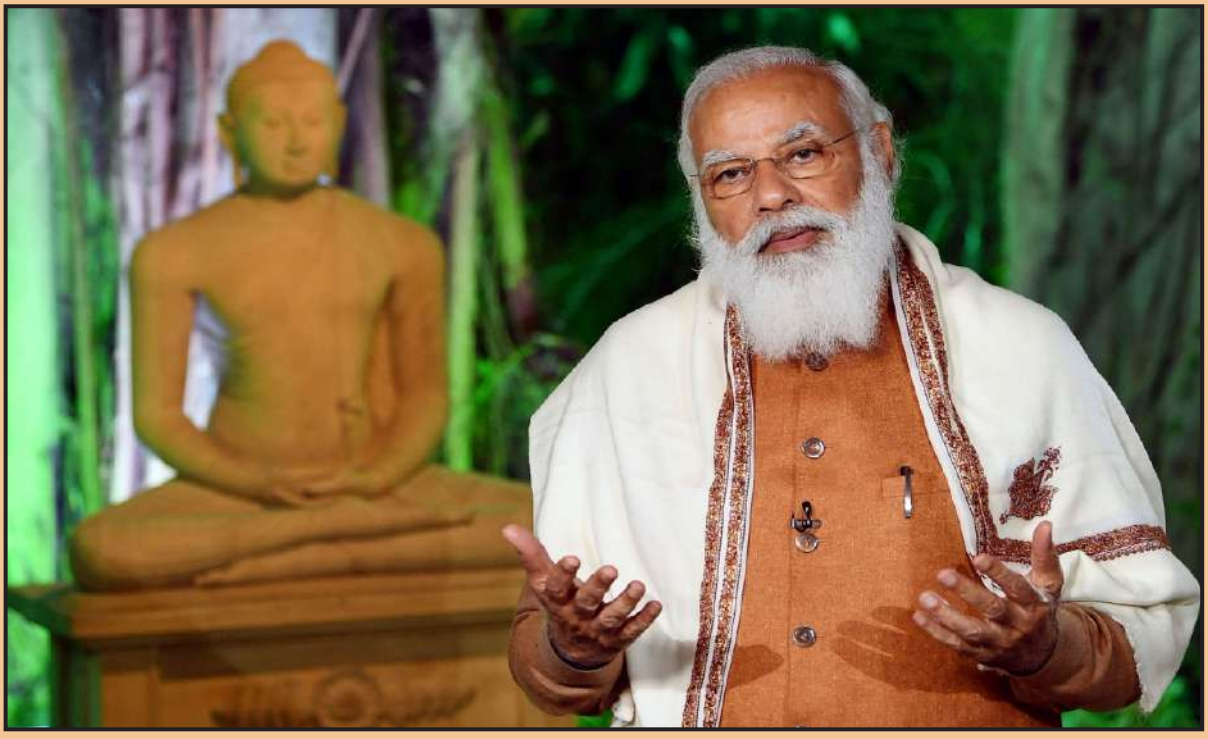

उद्देश्य:

श्री नरेन्द्र मोदी अध्ययन केंद्र (नमो केंद्र), अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश, भारत) आधारित एक थिंक टैंक है, जो नरेन्द्र मोदी अध्ययन केन्द्र के तत्वावधान में भारत के प्रमुख सुरक्षा विशेषज्ञों, शिक्षकों, सिविल सेवकों और परोपकारी लोगों के सहयोगात्मक प्रयासों के साथ स्थापित किया गया है। नमों केंद्र का उद्देश्य नवीन विचारों के लिए सकारात्मक पहल के साथ उसे एक उत्कृष्ट केंद्र बनना है, जो वैश्विक मामलों में अपनी प्रभावी और सकारात्मक भूमिका का निर्वाह करते हुए एक मजबूत, सुरक्षित और समृद्ध देश बनाने की दिशा में सहायक हो सके! श्री नरेंद्र मोदी को न्यू इंडिया का वास्तुकार (शिल्पकार) माना जाता है। इस केंद्र का उद्देश्य नरेंद्र मोदी के जीवन, विचारों और उपलब्धियों के साथ–साथ न्यू इंडिया, आत्मानिर्भर भारत, 'सबका साथ– सबका विकास–सबका विश्वास', भारतीय लोकतंत्र, राष्ट्रवाद जैसे विषयों पर अनेक अकादमिक कार्यक्रम आयोजित करना है। यह केंद्र भारतीय विदेश नीति और भारत के आर्थिक विकास के संदर्भ में भारत की स्वतंत्रता के पचहत्तर वर्ष और संविधान के पचहत्तर वर्ष की पूर्णता के क्रम में नरेंद्र मोदी मॉडल पर एक सेमिनार आयोजित करने का विचार रखता है। इसके अलावा उच्चशिक्षा से

जुड़े विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए कई संगोष्ठियों, कार्यशालाओं के आयोजन की दिशा में भी पहल करेगा! अगले शैक्षणिक सत्र से, 'नमो केंद्र' नए भारत और आत्मानिर्भर भारत विषयों से संबंधित भारत के स्वतंत्रता आंदोलन और वर्तमान समस्याओं के आलोक में भारतीय लोकतंत्र को आधार बनाकर अल्पावधि पाठ्यक्रम आरंभ करने की योजना बना रहा है। केंद्र क्रेडिट सिस्टम की वर्तमान योजना में कुछ अंतर–अनुशासनात्मक पाठ्यक्रम भी प्रस्तुत कर सकता है। नमो केंद्र विविध प्रकाशनों को भी सामने लाना चाहता है। ऐतिहासिक रूप से, भारत युगों से ज्ञान का केंद्र रहा है। इस ज्ञान भंडार को वेद, पंचतंत्र और चिकित्सा, खगोल विज्ञान, गणित, रसायन विज्ञान, तर्क आदि पर कई ग्रंथों के रूप में देखा और पढ़ा जा सकता है, जो भारत कहे जाने वाले राष्ट्र की शक्ति की गवाही देते हैं। दुनिया की कुछ सबसे पुरानी भाषाएं देश में बोली जाती हैं। यह सब इंगित करता है कि भारत एक राष्ट्र के रूप में दुनिया का नेतृत्व करने की क्षमता रखता है, क्योंकि शास्त्रीय जलाशय के इस फव्वारे से अभिनव विचार उभर सकते हैं, जो निश्चित रूप से विश्व को एक दिशा देने का कार्य करेंगे।

नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र (नमो केंद्र), अकादमिक गतिविधियों को स्वीकार करते हुए इस तरह के मामलों में इस क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के उद्देश्य के लिए लिए निर्धारित है, जो बिंदुवत इस तरह रखे जा सकते हैं।

(अ) नरेंद्र मोदी द्वारा प्रवर्तित राष्ट्र–निर्माण के मॉडल के विषय में गंभीर और व्यापक शोध –अनुसंधान करना।

(इ) धर्मनिरपेक्षता, उदार लोकतंत्र, गुटनिरपेक्षता और सामाजिक न्याय की अवधारणा के मापदंडों को परिभाषित करते हुए, नीति निर्माताओं के परिप्रेक्ष्य में नरेंद्र मोदी की नीति निर्माण विषयक अवधारणाओं के अधिक प्रभावी एवं सक्षम बनाने की दिशा में कार्य करना।

(ब) इस क्षेत्र में काम करने वाले स्वयंसेवी संस्थाओं और शैक्षणिक संस्थानों के साथ अंतर्संबंध स्थापित करने के साथ ही नीति निर्धारकों और सार्वजनिक अपेक्षाओं के लिए बेहतर डेटा उपलब्ध करवाना!

"अर्श से आगे निकल जाएँ हवाए– शौक़ में
कम–से–कम ये रफ़्फ़त–ए–पर्वाज़ होनी चाहिए"

नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र (नमो केंद्र) की विशेषज्ञा (थ्रस्ट एरिया) का क्षेत्र–

1. राष्ट्रीय सुरक्षा और सामरिक अध्ययन
2. अंतर्राष्ट्रीय संबंध / कूटनीति
3. पड़ोसी देशों का अध्ययन
4. शासन और राजनीतिक अध्ययन
5. आर्थिक अध्ययन
6. तकनीकी और वैज्ञानिक अध्ययन
7. ऐतिहासिक और सभ्यता संबंधी अध्ययन
8. नरेंद्र मोदी का राजनीतिक दर्शन।
9. न्यू इंडिया में मोदी और डेमोक्रेसी का विकास।
10. नरेंद्र मोदी और अंतरराष्ट्रीय राजनीति।
11. नरेंद्र मोदी और नवभारत का निर्माण एवं विकास।
12. नरेंद्र मोदी की राष्ट्रऋषि की छवि एवं उनका निर्भ्रांत व्यक्तित्व।
13. नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और भारतीय युवा।
14. नरेंद्र मोदी का सामाजिक दर्शन।
15. नरेंद्र मोदी और भारतीय अल्पंसख्यक समुदाय एवं हासियाकृत समाज।
16. कोविड का वैश्विक संकट एवं नरेंद्र मोदी की पहल।
17. नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम का जनमानस पर प्रभाव।
18. नरेंद्र मोदी की वैश्विक छवि एवं विश्व की राजनीति पर उसका प्रभाव।

RESEARCH CENTRE IN DELHI

Yuva Bharti Trust (YBT)
Centre for Narendra Modi Studies (CNMS)
Chandhrashekhar Bhawan: 13 B, Vishnu Digamber Marg,
Deen Dayal Upadhyay Marg (Rouz Avenue), New Delhi-110001 (INDIA)

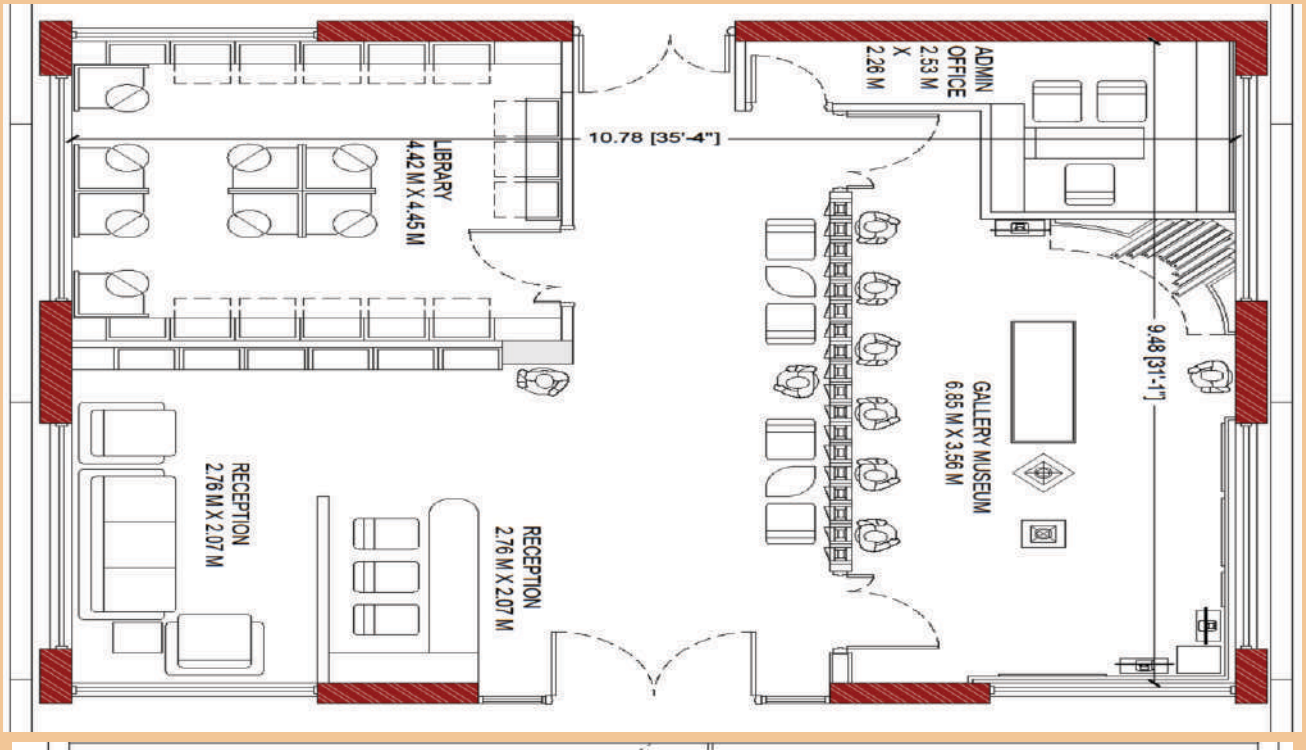

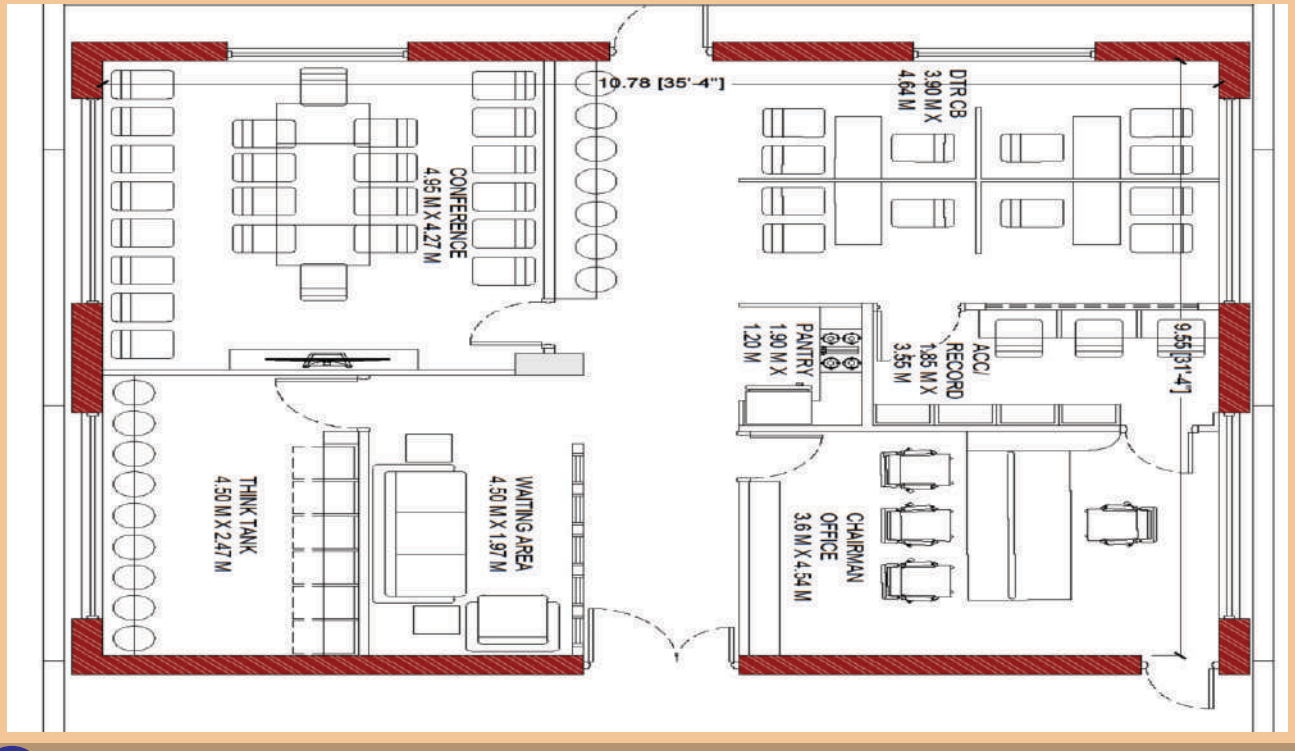

Centre for Narendra Modi Studies

Research Centre in Aligarh

Study Centre: 'NaMo Kendra', Qila Enclave, Ramgarh-Panjoopur,
Aligarh-202001 (U.P.) INDIA

RESEARCH CENTRE
Chandrashekhar Bhawan, New Delhi

INDIA NON JUDICIAL

सत्यमेव जयते

Government of National Capital Territory of Delhi

e-Stamp

Certificate No.	:	IN-DL51069858083656U
Certificate Issued Date	:	16-Jul-2022 12:15 PM
Account Reference	:	IMPACC (IV)/ dl702003/ DELHI/ DL-DLH
Unique Doc. Reference	:	SUBIN-DLDL76200304867979641143U
Purchased by	:	YUVA BHARTI TRUST NEW DELHI
Description of Document	:	Article 58 Memorandum of Settlement
Property Description	:	Not Applicable
Consideration Price (Rs.)	:	0 (Zero)
First Party	:	YUVA BHARTI TRUST NEW DELHI
Second Party	:	CENTRE FOR NARENDRA MODI STUDIES ALIGARH UTTAR PRADESH
Stamp Duty Paid By	:	YUVA BHARTI TRUST NEW DELHI
Stamp Duty Amount(Rs.)	:	100 (One Hundred only)

NOTARY R.P. BANSAL New Delhi Govt. of India

NOTARY Govt. of India

Yuva Bharti Trust New Delhi

NOTARY PUBLIC R. P. BANSAL GOVT. OF INDIA

Centre for Narendra Modi Studies नमो INDIA

Centre for Narendra Modi Studies (CNMS)

VISION & MISSION:

The Centre for Narendra Modi Studies (CNMS) is an independent TRUST and global objective institution to promote unbiased research and in-depth studies. It stands as a platform for dialogue and conflict resolution. (Registered Trust in Aligarh, UP, India) It strives to bring together the best available and possible minds in the country to ideate on key national and international issues, to promote initiatives that further the cause of peace and global harmony, to monitor social, economic and political trends that have a bearing on India's unity and integrity and to analyse the causes responsible for social and ethnic conflicts and leading to extremism as also offering policy alternatives, to interact with civil society and offer institutional support for exchange of ideas and interaction among conflicting groups, critique public policy and the working of democratic institutions and constitutional bodies, and evolve benchmarks for good governance and efficiency in public institutions. These objectives fall under a broad head called `nation-building' and often come within the purview of universities and institutions of higher learning. Regrettably, these academic bodies have failed grandly and gravely to rise to the task. Such a sordid development, it seems, is in some way responsible for the perceived failure of representative bodies and the prevailing inefficiency in the state sector. CNMS believes that many of these institutions, which are central and crucial to our democratic polity, cannot be expected to work better, unless academia, think tanks and civil society engage with each other on a regular basis. Given its deep and abiding commitment to strengthening democracy and the emergence of a strong and self-reliant India, CNMS has embarked upon quality research in a host of areas in the hope that such studies will improve governance, strengthen national security, integrate India's foreign policy to the nation's long-term objectives and bring about much-needed functional efficiency in Parliament and other representative bodies as well as in public institutions.

OBJECTIVES:

The Centre for Narendra Modi Studies (CNMS) is an India based think-tank set up with the collaborative efforts of leading security experts, educators, civil servants and philanthropists under the aegis of the **NaMo Kendra** across the world. The CNMS's objective is to become a centre of excellence to kick start innovative ideas and thoughts that can lead to a stronger, secure and prosperous country, playing its destined role in global affairs.

Shri Narendra Modi is undoubtdly the architect of New India. The purpose of the Centre is to organize a number of programmes on the theme of life, thoughts and achievements of Narendra Modi as well as on subjects like New India, Aatmanirbhar Bharat, Sabka Sath-Sabka Vikas-Sabka Vishwaas, Indian democracy, nationalism, Indian's foreign policy and India's economic development. The Centre aims to organise a seminar on Narendra Modi Model after seventy-five years of India's Independence and seventy yeard of the Indian Constitution besides organising a number of workshops for college students, research scholars and teachers.

From the next academic year, the CNMS plans to introduce a few short term workshop's on New India & Aatmanirbhar Bharat, India's freedom movement and Indian democracy in the light of current problems. The Centre may introduce few inter-disciplinary courses in the present scheme of Credit System. The CNMS plans to bring out a number of publications on themes relevant to contemporary times. Historically, India has been a hub of knowledge and wisdom since ages. This knowledge reservoir can be seen and read in the form of Vedas, Panchatantra and numerous treatises on medicine, astronomy, mathematics, chemistry, logic, etc. which bear testimony to the power of the nation called India. Some of the oldest languages of the world are spoken in the country. All this indicates that India as a nation has the capacity to lead the world as the innovative ideas may emerge from this fountainhead of classical reservoir which will certainly illuminate the world.

ACADEMIC ACTIVITIES TO BE UNDERTAKEN:

The Centre for Narendra Modi Studies (CNMS), is scheduled to play a pivotal role in this area in matters related to research such as:

(a) Undertaking research in to the Narendra Modi model of nation-building.

(b) Defining the parameters of the concept of secularism, liberal democracy, non-alignment, and social justice as spelled by Sh. Narendra Modi to enable policy-makers to make more effective policies.

(c) Establishing inter-linkages with NGOs and academic institutions working in this area to provide authentic data and enhanced information to both policy-makers and public alike.

Thrust Areas of the CNMS

- National Security and Strategic Studies
- International Relations/Diplomacy
- Neighbourhood Studies
- Governance and Political Studies
- Economic Studies
- Technological and Scientific Studies
- Historical and Civilisational Studies
- Political Philosophy of Narendra Modi;

Prof. Jasim Mohammad, Chairman, Centre for Narendra Modi Studies presented his own books to Hon'ble Prime Minister of India Shri Naredra Modi Ji

- Modi and Development of Democracy in New India;
- Narendra Modi and International Politics;
- Narendra Modi and new legislations to meet current challenges;
- Narendra Modi's 20-year achievements as an administrator during his tenure as an innovative administrator in the state and at the centre;
- Narendra Modi addressing to social tensions and conflicts;
- Narendra Modi's oratory as an illustration of his command over language;
- Narendra Modi's welfare schemes and their impact on the society;
- Narendra Modi as a futurist;
- Narendra Modi's place among world leaders;
- Narendra Modi's schemes for the welfare of minorities and dalits;
- Narendra Modi's wise policy for handling COVID-19;
- Narendra Modi's keen interest in the development of science and technology;
- Narendra Modi's patronage to nuclear scientists;
- How Narendra Modi has emerged as a trend-setter in all human spheres;
- Narendra Modi as a Parliamentarian;
- Any other issues, challenges threatening the unity of India.

OUR PUBLICATIONS

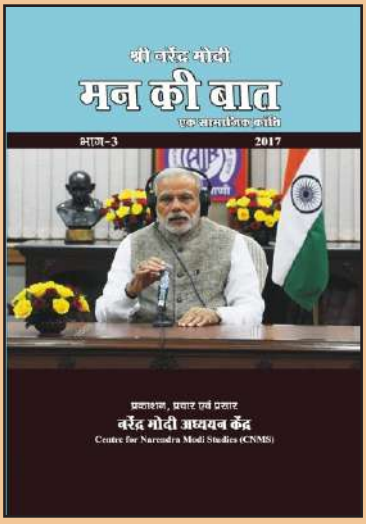

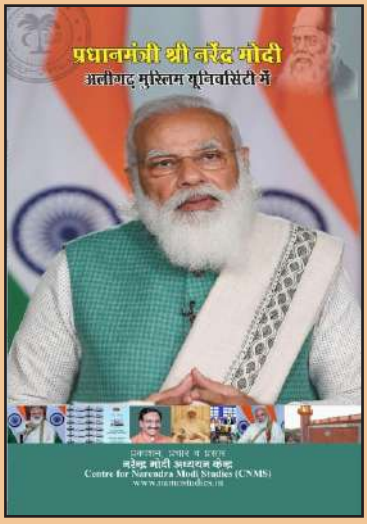

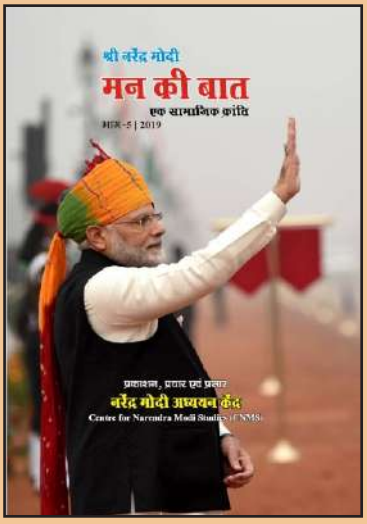

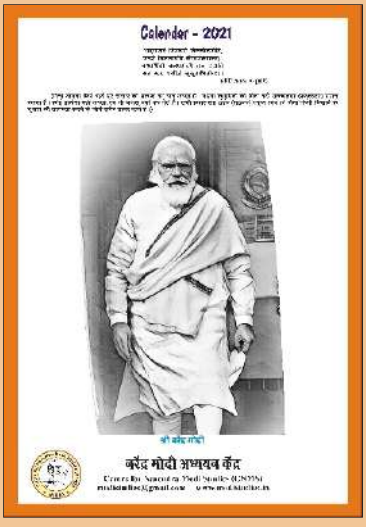

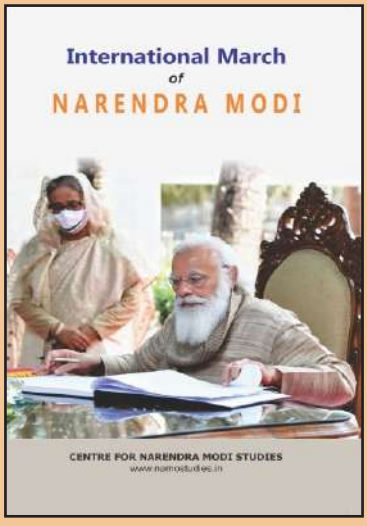

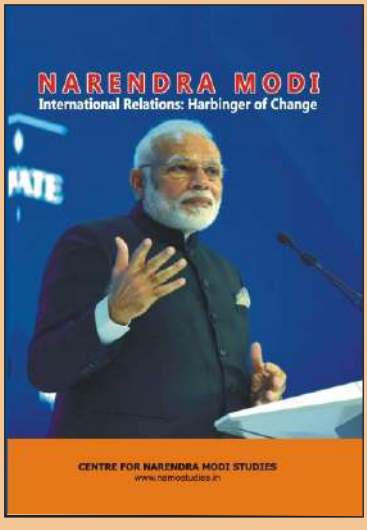

OUR PUBLICATIONS

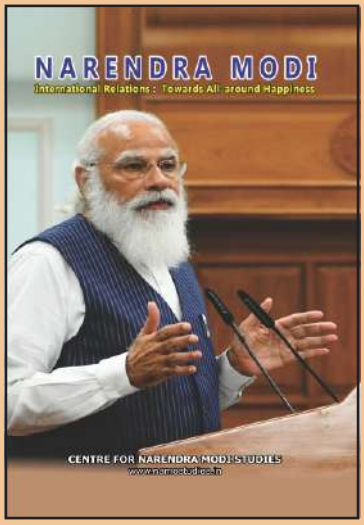

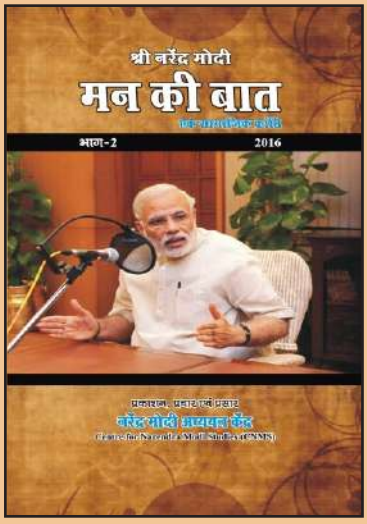

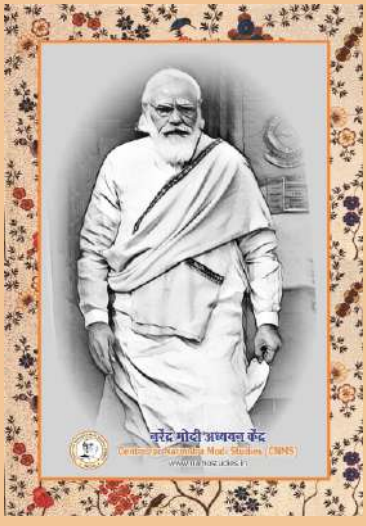

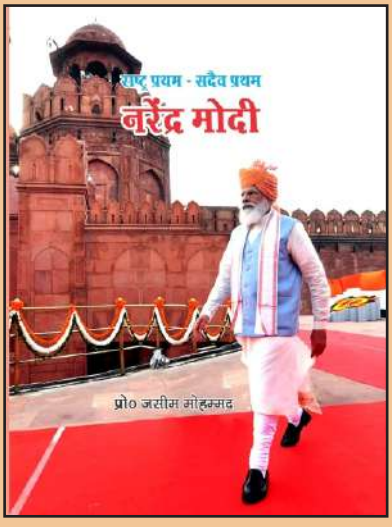

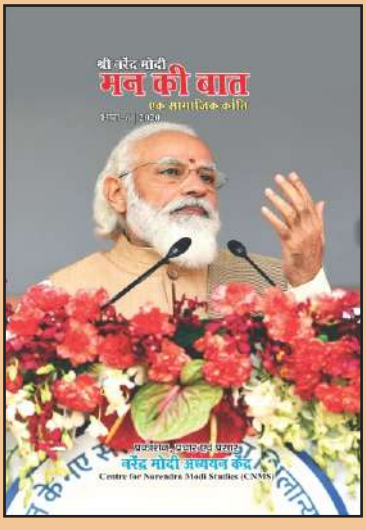

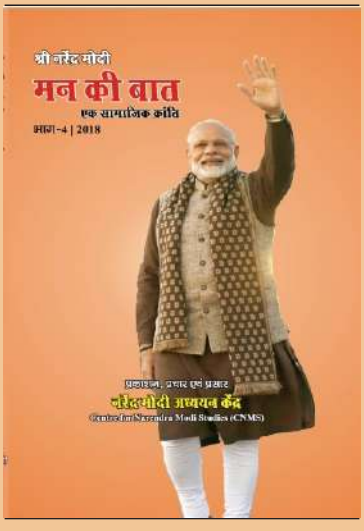

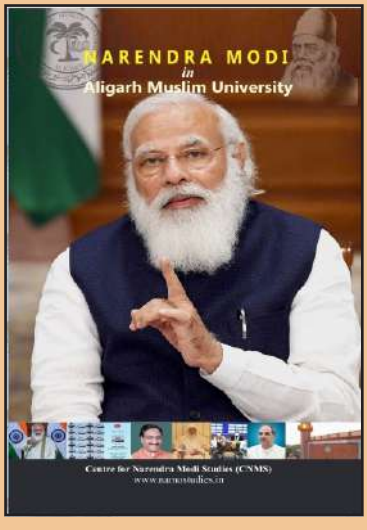

On the Occasion of
Chandrashekhar Jayanti

"Sustaining India's Climate and Development in the Post Pandemic Era"

Prof. Suresh Sharma

KEYNOTE ADDRE
On the Occasion of
Chandrashekhar Jayanti

Occasion of

नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र

नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र

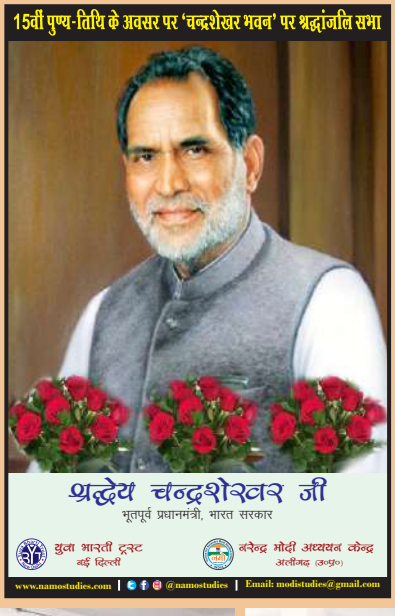
15वीं पुण्य-तिथि के अवसर पर 'चन्द्रशेखर भवन' पर श्रद्धांजलि सभा
श्रद्धेय चन्द्रशेखर जी
भूतपूर्व प्रधानमंत्री, भारत सरकार
युवा भारती ट्रस्ट
नई दिल्ली
नरेन्द्र मोदी अध्ययन केन्द्र
अलीगढ़ (उ०प्र०)
www.namostudies.com | @namostudies | Email: modistudies@gmail.com

NEW DELHI, THURSDAY MARCH 11, 2021; PAGES 12 ₹3

the pioneer

www.dailypioneer.com

COMEDY IS NOT EASY: VARUN SHARMA
10 VIVACITY

Think tank named after Modi

A think tank named after PM Narendra Modi has been established to conduct research on his leadership, governance style and international diplomacy. Named as the Centre for Narendra Modi Studies (CNMS) or NaMo Kendra, it has been set up as a public trust by professor Jasim Mohammad near the Law Faculty of Aligarh Muslim University.

Mohammad, who teaches Comparative Literature at Arunachal University of Studies, says that the centre will initially operate from Aligarh and will then be shifted to New Delhi. He adds that the centre can also be called 'NaMo Kendra'. To kickstart the activities of the centre and introduce it to the intelligentsia in the country and abroad, the CNMS has published more than 10 books on various themes of Modi's leadership like *International Relations: Harbinger of Change, International Relations: Heralding A New World Order, International Relations: A New Awakening, Collection of PM's Mann Ki Baat*, etc.

Elaborating further on the activities of the centre, Mohammad says that apart from holding seminars and conferences, from the next academic year, the CNMS plans to hold short-term workshops for college students and teachers on themes like *Atmanirbhar Bharat*, India's Freedom Movement, Democracy and the Constitution of India. Among other academic activities to be undertaken by it include the Narendra Modi Model of Nation-building, Defining Parameters of Concept of Secularism, Liberal Democracy, Non-alignment and Social Justice as spelt by Narendra Modi to enable and facilitate policy-makers. "The centre will also create inter-linkages with NGOs and academic institutions to prepare and provide authentic data," he adds.

Mohammad says that the idea to establish the CNMS struck him last year when the nation celebrated the 70th birthday of PM Modi. "It came to my mind that when personalities like Swami Vivekananda, Deendayal Upadhyay, Ambedkar, Jawaharlal Nehru has institutions named after him, why shouldn't we start an institution to celebrate the leadership of Narendra Modi and other aspects of nation-building," he adds.

A website namostudies.in has also been created to provide a gateway into the CNMS for readers. Apart from doing research on the leadership of Narendra Modi, the CNMS is out to explore ideas relating to National Security and Strategic Studies, International Relations/Diplomacy, Neighbourhood Studies, Governance and Political Studies, Economic Studies, Technological and Scientific Studies, Mother tongue studies and Historical and Civilisational Studies. Mohammad is also trying to approach former bureaucrats, diplomats, academics, editors, researchers and other experts to join the CNMS and contribute as researchers. "I am sure we'll soon have a dedicated and robust team," says he.

THE TIMES OF INDIA

INDIAS LARGEST ENGLISH NEWSPAPER

MUMBAI | FRIDAY, FEBRUARY, 12, 2021

Ex-AMU media consultant sets up NaMo study centre

TNN | Feb 12, 2021, 11.32 AM IST

MUMBAI: Former media consultant at Aligarh Muslim University (AMU) Jasim Mohammad has established the Centre for Narendra Modi Studies (CNMS), a think-tank in Aligarh to promote peace and harmony. Aimed also at amplifying the "Narendra Modi Model" of growth and development, the Centre will hold seminars and symposiums and conduct research and studies on Modi's pet projects like Aatmanirbhar Bharat, Sabka Saath, Sabkaa Vikas, Sabka Vishwas.

"There are Centres of Nehru, Ambedkar, Vivekanand, Deen Dayal Upadhyay Studies. They all have their own values but a Centre for Narendra Modi Studies is a must because Modi symbolizes a new India, an India which is strong, self-reliant and forward looking," said Centre's chairman Mohammad who has already got CNMS as a public trust. This can also be called "NaMo Kendra or NaMo Centre" and its area of operations is global. So, it can hold a meeting or conference anywhere in the world but focus will be on how to popularize the thoughts and ideas of Narendra Modi.

Apart from holding seminars and conferences, from the next academic year the Centre plans to hold short-term workshops for college students and teachers on themes like atmanirbhar bharat, India's freedom movement, democracy and the Constitution of India. Among other academic activities to be undertaken by the Centre include Narendra Modi model of nation-building, defining parameters of concept of secularism, liberal democracy, non-alignment and social justice as spelled by Narendra Modi to enable and facilitate policy makers. The Centre will also create inter-linkages with NGOs and academic institutions to prepare and provide authentic data. When asked if he will be labelled a "stooge" of Modi, Mohammad, a former director of Jamia Urdu in Aligarh, said: "I am not bothered about what others say. You are bound to ruffle a few feathers if you are going to do something new and unconventional. Many of those who oppose this initiative may join me later."

Centre for Narendra Modi Studies (CNMS)
Chandrashekhar's Centre for Applied Politics (CCAP)
Yuva Bharti Trust (YBT)

RESEARCH INTERNSHIP

Centre for Narendra Modi Studies (CNMS) and Chandrashekhar's Centre for Applied Politics (Yuva Bharti Trust) are jointly recruiting three Research Interns. They can carry out research activities under the auspices and guidance of the CNMS Research Leadership Team. The ideal candidate must be a registered student in a university in India in the field of International Relations, Journalism and Mass Communications, Economics, Humanities, or other related subjects.

To apply, send an application email along with your resume and contact details to the Director (Academic), Centre for Narendra Modi Studies (CNMS) at officechairman7@gmail.com

RESEARCH ASSOCIATE

Centre for Narendra Modi Studies (CNMS) and Chandrashekhar's Centre for Applied Politics (Yuva Bharti Trust) are jointly recruiting Research Associates in the field of Social Sciences. They can carry out research activities under the auspices of the CNMS research team. Applicants should ideally have a postgraduate degree in any field of scoial science. These are also voluntary positions.

To apply, send an application email along with your resume and contact details to the Director (Academic), Centre for Narendra Modi Studies (CNMS) at officechairman7@gmail.com

TECHNICAL ANALYST

Centre for Narendra Modi Studies (CNMS) and Chandrashekhar's Centre for Applied Politics (Yuva Bharti Trust) are jointly recruiting two Technical Analysts. Applicants should ideally have/or be pursuing a technical degree such as engineering, statistics, AI and computer systems. They should have a deep interest in technical innovation.

To apply, send an application email along with your resume and contact details to the Director (Academic), Centre for Narendra Modi Studies (CNMS) at officechairman7@gmail.com

OPERATIONS ASSOCIATE

Centre for Narendra Modi Studies (CNMS) and Chandrashekhar's Centre for Applied Politics (Yuva Bharti Trust) are jointly recruiting Operations Associates. They will be responsible for effective execution of various on-ground projects and program management of the CNMS. These are voluntary positions.

To apply, send an application email along with your resume and contact details to the Director (Academic), Centre for Narendra Modi Studies (CNMS) at officechairman7@gmail.com

The CNMS (NaMo Kendra), CCAP (YBT) will provide academic guidance, visibility, networking opportunities and certificates for the work done in the first three months. On successful completion of the internship, the Center will assist in placement and absorption of highly motivated candidates.

APPLY FOR INTERNSHIP: officechairman7@gmail.com

PROF. JASIM MOHAMMAD
Chairman CNMS

PROF. H.N. SHARMA
Secretary General, YBT

Academic Directors:

PADMA SHRI AWARDED PROF. (DR) RAVINDRA KUMAR | PROF. S N TIWARI

MR ANIL MAHESHWARI | PROF (DR) DIVYA TANWAR | DR DAULAT RAM SHARMA

Study Centre: Chandra Shekhar Bhawan, 13-B, Vishnu Dighambar Marg, Deen Dayal Upadhyay Marg (Rouz Avenue), New Delhi
Regd. Office: Namo Kendra, 29, Ground Floor, Muzzamil Complex, Dodhpur, Civil Lines, Aligarh
Study Centre: Namo Kendra, Study Centre, Qila Enclave, Ramgarh- Panjupur, Aligarh

REMEMBERING CHANDRA SHEKHAR'S VISION FOR THE RURAL ECONOMY

If alive, former Prime Minister Chandra Shekhar would have been 95 last Sunday, 17 April. Three days before that eventful day, Prime Minister Narendra Modi inaugurated the Pradhan Mantri Sanghralaya, the Prime Ministers' Museum in New Delhi. The museum is a tribute to all the Prime Ministers of the country to date, irrespective of their ideology or tenure, and their significant contribution towards nation-building. One of the goals of such a place is to sensitize and inspire the younger generation about India's Prime Ministers, their leadership, vision, and achievements. But more than that, the museum also takes a look at the journey which took India to where we are today.

This assumes even greater significance as India marks 75 years of its independence. The mega celebration campaign, 'Azaadi ka Amrit Mahotsav' has introduced us to the pathway of 'aatmanirbharta' or self-reliance. In this context we can say that though his term was short, the then PM Chandra Shekhar had a vision of self-reliance. His vision was to strengthen the rural economy and agro cooperative movement to make India's poor self-reliant and independent.

This is an appropriate time to acknowledge Chandra Shekhar's vision for promoting the rural economy through the cooperative movement, which is necessary for rural entrepreneurship.

Chandra Shekhar had a short stint as a Prime Minister but played long innings as a parliamentarian. Little wonder that several significant decisions designed the country's future course during his time. In a well-known compilation of "Dynamics of Social Change," he discussed his idea of self-reliance and promoting the rural economy in a developing country.

India's former Prime Minister Chandra Shekhar

In a famous marathon walk (the Padayatra) from Kanyakumari in the extreme South to Rajghat in New Delhi, covering about 4260 km, Chandra Shekhar, as a "young Turk", renewed his rapport with the rural masses and understood the pressing problems in the country. Then he aggressively pushed for agro-based industries through cooperative movements such as Khadi Gram Udyog in India.

During one of his speeches in the Rajya Sabha in 1965, he talked about ways to strengthen the agro-industries "The biggest problem in our country today is that we do not come forward openly to find a solution to the country's problems. I feel that the Agricultural Co-operative Movement is basically a political movement. Still, I feel that if the Cooperative Movement is associated with the agricultural sector, it will lead to fundamental changes regarding the property rights". The Cooperative Movement was aimed to increase the production of food grains in the interest of landowners having less than one acre of land. He mentions that there was no other way except the initiation of the Cooperative Movement to utilize the available scientific methods of agriculture and ensure the development of the small farmers. "The poor whose hopes were shattered and whose development was blocked will benefit," he had regretted.

Participating in the Resolution on Agricultural Cooperatives" in 1964, Chandra Shekhar also said," The State will face a profound crisis if we do not make efforts to improve agriculture and agro-industries in the States." A great promoter of sustainable agriculture and rural economy, he paved the way by highlighting a roadmap for agri-based cooperative movements.

As the country moves on the development pathway, the late Chandra Shekhars' vision of aligning the rural economy to self-reliance assumes great significance.

–JASIM MOHAMMAD

the pioneer
NEW DELHI, THURSDAY APRIL 21, 2022 PAGES 12 ₹3
www.dailypioneer.com
NEW DELHI | THURSDAY | APRIL 21, 2022
nation 05

On the occasion of former Prime Minister Chandra Shekhar's birth anniversary, the Centre for Narendra Modi Studies (CMS) organised a national seminar on sustaining India's climate and development in the post-pandemic era. Along with Kerala Governor Arif Mohammad Khan, chief guest, environmentalist Gopal Krishna, IGNCA chairman Ram Bahadur Rai, Sandhya Times' former editor Prof Suresh Sharma, and secretary of Yuva Bharti Trust HN Sharma are seen

RANJAN DIMRI | PIONEER

साहस का बेहतरीन उदाहरण थे पूर्व पीएम चंद्रशेखर : आरिफ

नरेन्द्र मोदी अध्ययन केंद्र की एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान • संस्था द्वारा उपलब्ध

जासं, नई दिल्ली : केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर साहस का बेहतरीन उदाहरण थे। जैसा कि नेता का काम भीड़ का विरोध करके भी भीड़ को सही रास्ता दिखाना होता है, चंद्रशेखर इसी प्रवृत्ति के व्यक्ति थे। वह जब किसी बात या व्यक्ति का समर्थन करते थे तो दुश्मनों को छोड़िए, दोस्तों के भी नाराज होने की परवाह नहीं करते थे।

आरिफ मोहम्मद खान इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की जयंती के उपलक्ष्य में सस्टेनिंग इंडियाज क्लाइमेट एंड डेवलपमेंट इन द पोस्ट पैंडेमिक एरा विषय पर आयोजित सेमिनार को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन युवा भारती ट्रस्ट के सहयोग से चंद्रशेखर सेंटर फार अप्लाइड पालिटिक्स और सेंटर फार नरेंद्र मोदी स्टडीज (सीएनएमएस) द्वारा किया गया।

विविध समाचार

सद्भावना टुडे

नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र (नमो केंद्र) और युवा भारती ट्रस्ट के बीच हुआ शैक्षणिक अनुसंधान सहयोग समझौता

नेशनल एक्सप्रेस

हर खबर समय पर

राष्ट्रीय एक्सप्रेस

नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र (नमो केंद्र) और युवा भारती ट्रस्ट के बीच हुआ शैक्षणिक अनुसंधान सहयोग समझौता

जर्नलिज़्म टुडे

नमो केंद्र और युवा भारती ट्रस्ट के बीच हुआ शैक्षणिक अनुसंधान सहयोग समझौता

❖ नरेंद्र मोदी एक विचार धारा का नाम है, भारत विश्वगुरु बनने की ओर, दुनिया को बताने और जताने का समय : प्रो जसीम मोहम्मद

सियासी तक़दीर

नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र (नमो केंद्र) और युवा भारती ट्रस्ट के बीच हुआ शैक्षणिक अनुसंधान सहयोग समझौता

दिल्ली के चन्द्रशेखर भवन में होगा अनुसन्धान केन्द्र, पांच वर्ष के लिए हुआ समझौता

- पांच वर्ष के लिए हुआ शैक्षणिक समझौता, पूर्व प्रधानमंत्री चन्द्रशेखर जी के सोच और कार्यों को आगे बढ़ाएंगे : प्रो एच एन शर्मा
- नरेंद्र मोदी एक विचारधारा का नाम है, भारत विश्वगुरु बनने की ओर, दुनिया को बताने और जताने का समय : प्रो जसीम मोहम्मद

सियासी तक़दीर ब्यूरो।

سیاسی تقدیر

SIYASI TAQDEER

نئی دہلی، ہفتہ، 23، اپریل، 2022
21، رمضان المبارک، 1443ھ
New Delhi, Saturday
23 April 2022
صفحات: 8، قیمت: 2:00 روپے

RNI NO.DELURD/2009/30972, VOL.10, ISSUE NO. 349

سابق وزیراعظم چندر شیکھر کی بے باکی ایک مثال تھی: گورنر عارف محمد خان

نئی دہلی 22 اپریل (سیاسی تقدیر بیورو): سابق وزیراعظم چندر شیکھر کی بے باکی ایک بہترین مثال تھی۔ وہ ایک ایسے لیڈر تھے جو ہجوم کی مخالفت کے باوجود عوام کو سیدھا راستہ دکھاتے تھے۔ چندر شیکھر بہت صاف گو تھے۔ مذکورہ باتیں کیرالہ کے گورنر جناب عارف محمد خان نے سابق وزیراعظم چندر شیکھر جی کی یوم وفات کے موقع پر نریندر مودی اسٹڈی سینٹر (نمو سینٹر)، چندر شیکھر سینٹر فار اپلائیڈ پولیٹکس اینڈ یووا بھارتی ٹرسٹ کے زیر اہتمام منعقدہ قومی سیمینار میں کہیں۔ وہ نئی دہلی میں انڈیا انٹرنیشنل سینٹر میں "بعداز وبائی دور میں ہندوستان کی آب و ہوا اور ترقی کو برقرار رکھنا" کے موضوع پر اظہار خیال کر رہے تھے۔ کیرالہ کے گورنر جناب عارف محمد خان نے کہا کہ جب چندر شیکھر جی کسی بھی چیز یا کسی شخص کی حمایت کرتے تو دشمنوں کو چھوڑ دیں، دوستوں کے غصے کی بھی پرواہ نہیں کرتے تھے۔ انہوں نے ماحولیاتی تحفظ کے مسئلہ پر ڈاکٹر گوپال کرشنا کی خوب تعریف کی تھی۔ چیف ماہر ماحولیات ڈاکٹر گوپال کرشنا نے دنیا میں ہو رہی موسمیاتی تبدیلی اور چندر شیکھر جی کی سوانح عمری سے متعلق کہا کہ آب و ہوا کے لیے سابق وزیر اعظم چندر شیکھر جی کی سوچ کو آج دنیا میں نافذ کرنے کی ضرورت ہے۔ اندرا گاندھی نیشنل سینٹر فار آرٹس کے صدر جناب رام بہادر رائے نے اداروں کے عہدیداروں کو مبارکباد دیتے ہوئے کہا کہ سابق وزیراعظم چندر شیکھر جی کے انتقال کے بعد پہلی بار اس طرح کا پروگرام ہو رہا ہے۔ انہوں نے چندر شیکھر جی کے کچھ اچھوتے پہلوؤں پر روشنی ڈالی۔ انہوں نے کہا کہ چندر شیکھر جی کی زندگی کو ہندوستان کے نوجوانوں کو اپنانا چاہیے۔ یوا بھارتی ٹرسٹ کے صدر پی ایس پرساد جی نے چندر شیکھر جی کی یادیں شیئر کیں۔

انہوں نے کہا کہ یہ سابق وزیر اعظم شری چندر شیکھر جی کی تعاون پر مبنی تحریکوں کے ترقیاتی ماڈل اور آج کے دور میں اس کی مطابقت کو واضح کرتا ہے۔ اس موقع پر سابق وزیراعظم شری چندر شیکھر جی کی سوانح عمری جسے پروفیسر سریش شرما نے مرتب کیا ہے اور شری رام بہادر رائے جی کی کتاب "رہبری کے سوال" کا اجراء کیرالہ کے گورنر جناب عارف محمد خان نے کیا۔ چندر شیکھر جی کی پوسٹل میموری کیرالہ کے گورنر کو پروفیسر جسیم محمد نے پیش کی۔ جناب پی ایس پرساد جی کی طرف سے ماہر ماحولیات ڈاکٹر گوپال کرشنا کو ایک مومنٹو پیش کیا گیا۔ مہمانوں کا شکریہ ادا کرتے ہوئے، ڈاکٹر ایچ این شرما، سکریٹری، یووا بھارتی ٹرسٹ نے یووا بھارتی ٹرسٹ اور نریندر مودی اسٹڈی سینٹر کے ساتھ مل کر تحقیقی کام کرنے کے فریم ورک پر زور دیا۔ وزیراعظم نریندر مودی کی تعریف کرتے ہوئے انہوں نے کہا کہ وزیراعظم نریندر مودی عاجزی کے ساتھ ملک کے تمام سابق وزرائے اعظم کے تعاون کو تسلیم کرتے ہیں اور انہوں نے ہندوستان کی ترقی کے راستے کو کس طرح تشکیل دیا ہے۔ ایسے وقت میں تمام وزرائے اعظم کی کامیابیوں کو دکھانے کے لیے پی ایم میوزیم کا افتتاح کیا گیا ہے۔ نریندر مودی اسٹڈی سینٹر کے چیئرمین پروفیسر جسیم محمد نے مہمانوں کا استقبال کیا۔ گورنر کی طرف سے اس پروگرام میں شریک مہمانوں کو توصیف نامہ پیش کیا گیا، جس میں پروفیسر دویا تنور، پروفیسر نیلم مہاجن سنگھ، ان دنوں گروپ ایڈیٹر ایس ایم آصف، صحافی حبیب اختر، دلیپ شرما، ڈاکٹر فرید چغتائی کے نام قابل ذکر ہیں۔ پبلک اسکول کے ڈاکٹر دولت رام شرما، صحافی جاوید رحمانی، عصمت چغتائی، صوبیہ رحمان، تنو مشرا، کندن جھا، دیپکا سنگھ، عائشہ کو اعزاز سے نوازا گیا۔

दैनिक
नेशनल एक्सप्रेस
हर खबर समय पर

Date: 23/04/2022 | Page No. :01 | www.nationalexpress.co.in

साहस का बेहतरीन उदाहरण थे पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर : राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर साहस के बेहतरीन उदाहरण थे। वह ऐसे नेता थे जो भीड़ का विरोध करके भी भीड़ को सही रास्ता दिखा देते थे। चंद्रशेखर ऐसे प्रवृत्ति के नेता थे। ये कथन केरल के राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान ने पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर जी की जयंती के अवसर पर नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र (नमो केंद्र), चंद्रशेखर सेंटर फॉर अप्लाइड पॉलिटिक्स एवं युवा भारती ट्रस्ट द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी मेंनई दिल्ली के इण्डिया इंटरनेशनल सेन्टर में 'महामारी के बाद के युग में भारत की जलवायु और विकास को बनाए रखना' विषय पर बोल रहे थे।केरल के राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान ने कहा की जब चंद्रशेखर जी किसी बात या किसी इंसान का समर्थन करते तो दुश्मनों को छोड़िए, दोस्तों के भी नाराज होने की परवाह नहीं करते थे। पर्यावरण संरक्षण के मुद्दे पर उन्होंने डॉक्टर गोपाल कृष्ण के बातों की सराहना किया।

मुख्यवक्ता पर्यावरणविद डॉक्टर गोपाल कृष्ण ने दुनिया में हो रहे जलवायु परिवर्तन की जिम्मेदारी और चंद्रशेखर जी की आत्मकथा को जोड़ते हुए कहा की, जलवायु के लिए पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर जी की सोच को आज दुनिया में लागू होने की आवश्यकता है।इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के अध्यक्ष श्री राम बहादुर राय जी ने अध्यक्षता करते हुए संस्थाओं के पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा की पुर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर जी के निधन के बाद उनकी ऐसी जयंती पहली बार मनाई जा रही है। उन्होंने चंद्रशेखर जी के कुछ अनछुए पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा की चंद्रशेखर जी की जीवन को भारत के युवाजनों को अपनानी चाहिए।

युवा भारती ट्रस्ट के अध्यक्ष पी एस प्रसाद जी ने चंद्रशेखर जी के यादों को सांझा किया। उन्होंने कहा की पूर्व प्रधानमन्त्री श्री चन्द्रशेखर जी के सहकारी आंदोलनों के विकास मॉडल और आज के समय में इसकी प्रसंगिकता को रेखांकित करता है इस

अवसर पर पुर्व प्रधानमंत्री श्री चन्द्रशेखर जी की आत्मकथा जिसे संपादित प्रो सुरेश शर्मा द्वारा किया गया तथा श्री राम बहादुर राय जी की पुस्तक 'रहबरी के सवाल' पुस्तक का लोकार्पण केरल के राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान द्वारा किया गया। प्रो जसीम मोहम्मद द्वारा केरल के राज्यपाल जी को चंद्रशेखर जी का डाकटिकट स्मृति भेंट किया गया। श्री पीएस प्रसाद जी द्वारा पर्यावरणविद डॉक्टर गोपाल कृष्ण को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।युवा भारती ट्रस्ट के सचिव डॉक्टर एचएन शर्मा द्वारा अतिथियो को धन्यवाद देते हुए युवा भारती ट्रस्ट एवं नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र द्वारा एक साथ शोध कार्य करने का रूपरेखा पर अपनी बात कही। उन्होंने प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी जी की प्रसंशा करते हुए कहा की, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विनम्रतापूर्वक देश के सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों के योगदान को स्वीकार करते हैं, और उन्होंने भारत के विकास पथ को कैसे आकार दिया है। ऐसे समय में सभी के सभी प्रधानमंत्रियों की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए, पीएम संग्रहालय का उद्घाटन किया गया। नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र सभापति प्रो जसीम मोहम्मद अतिथियों का स्वागत किया गया।

राज्यपाल महोदय द्वारा इस कार्यकर्म में इस विषय पर भाग लेने वाले अतिथियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया जिसमे प्रो दिव्या तंवर, प्रो नीलम महाजनसिंह, इनदिनों ग्रुप के संपादक एस एम आसिफ, पत्रकार हबीब अख्तर, दिलीप शर्मा, डॉक्टर फरीद चुगताई, अलीगढ़ पब्लिक स्कूल के डॉक्टर दौलत राम शर्मा, जावेद रहमानी, इस्मत चुगताई, सुबिया रहमान, तनु मिश्र, कुंदन झा, दीपिका सिंह, आयशा खन्ना को सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
सियासी तक़दीर
नई दिल्ली से प्रकाशित

12 नई दिल्ली, शुक्रवार, 22 अप्रैल 2022 दिल्ली एनसीआर

आरिफ मोहम्मद खान बोले साहस का बेहतरीन उदाहरण थे पुर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर

प्रो जसीम मोहम्मद द्वारा केरल के राज्यपाल जी को चंद्रशेखर जी का डाकटिकट स्मृति भेंट किया गया

चंद्रशेखर जी किसी बात या किसी इंसान का समर्थन करते तो दुश्मनों को छोड़िए, दोस्तों के भी नाराज होने की परवाह नहीं करते थे।

पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर साहस के बेहतरीन उदाहरण थे। वह ऐसे नेता थे जो भीड़ का विरोध करके भी भीड़ को सही रास्ता दिखा देते थे।

सियासी तक़दीर ब्यूरो।

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर साहस के बेहतरीन उदाहरण थे। वह ऐसे नेता थे जो भीड़ का विरोध करके भी भीड़ को सही रास्ता दिखा देते थे। चंद्रशेखर ऐसे प्रवृत्ति के नेता थे। ये कथन केरल के राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान ने पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर जी की जयंती के अवसर पर नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र (नमो केंद्र), चंद्रशेखर सेंटर फॉर अप्लाइड पॉलिटिक्स एवं युवा भारती ट्रस्ट द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में नई दिल्ली के इण्डिया इंटरनेशनल सेन्टर में महामारी के बाद के युग में भारत की जलवायु और विकास को बनाए रखना विषय पर बोल रहे थे। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा की जब चंद्रशेखर जी किसी बात या किसी इंसान का समर्थन करते तो दुश्मनों को छोड़िए, दोस्तों के भी नाराज होने की परवाह नहीं करते थे। पर्यावरण संरक्षण के मुद्दे पर उन्होंने डॉक्टर गोपाल कृष्ण के बातों की सराहना किया। मुख्यवक्ता पर्यावरणविद डॉक्टर गोपाल कृष्ण ने दुनिया में हो रहे जलवायु परिवर्तन की जिम्मेदारी और चंद्रशेखर जी की आत्मकथा को जोड़ते हुए कहा की, जलवायु के लिए पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर जी की सोच को आज दुनिया में लागू होने की आवश्यकता है। इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के अध्यक्ष श्री राम बहादुर राय जी ने अध्यक्षता करते हुए संस्थाओं के पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा की पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर जी के निधन के बाद उनकी ऐसी जयंती पहली बार मनाई जा रही है। उन्होंने चंद्रशेखर जी के कुछ अनछुए पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा की चंद्रशेखर जी की जीवन को भारत के युवाजनों को अपनानी चाहिए। युवा भारती ट्रस्ट के अध्यक्ष पी एस प्रसाद जी ने चंद्रशेखर जी के यादों को सांझा किया। उन्होंने कहा की पूर्व प्रधानमन्त्री चन्द्रशेखर जी के सहकारी आंदोलनों के विकास मॉडल और आज के समय में इसकी प्रासंगिकता को रेखांकित करता है। इस अवसर पर पूर्व प्रधानमंत्री श्री चन्द्रशेखर जी की आत्मकथा जिसे संपादित प्रो सुरेश शर्मा द्वारा किया गया तथा श्री राम बहादुर राय जी की पुस्तक रहबरी के सवाल पुस्तक का लोकार्पण केरल के राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान द्वारा किया गया। प्रो जसीम मोहम्मद द्वारा केरल के राज्यपाल जी को चंद्रशेखर जी का डाकटिकट स्मृति भेंट किया गया। श्री पीएस प्रसाद जी द्वारा पर्यावरणविद् डॉक्टर गोपाल कृष्ण को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। युवा भारती ट्रस्ट के सचिव डॉक्टर एचएन शर्मा द्वारा अतिथियों को धन्यवाद देते हुए युवा भारती ट्रस्ट एवं नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र द्वारा एक साथ शोध कार्य करने का रूपरेखा पर अपनी बात कही। उन्होंने प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी जी की प्रसंशा करते हुए कहा की, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विनम्रतापूर्वक देश के सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों के योगदान को स्वीकार करते हैं, और उन्होंने भारत के विकास पथ को कैसे आकार दिया है। ऐसे समय में सभी के सभी प्रधानमंत्रियों की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए, पीएम संग्रहालय का उद्घाटन किया गया। नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र सभापति प्रो जसीम मोहम्मद अतिथियों का स्वागत किया गया।

नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र ने अनुसंधान सहायक व इंटर्न के लिए दिया आमंत्रण

❖ शोध कार्य को सही दिशा युवा ही दे सकते हैं, एएमयू - जेएनयू - जामिया मिल्लिया और डीयू के छात्र छात्राओं को प्राथमिकता देंगे : प्रो जसीम मोहम्मद

अलीगढ़: सेंटर फॉर नरेंद्र मोदी स्टडीज (नमो केंद्र) एवं चंद्रशेखर सेंटर फॉर अप्लाइड पॉलिटिक्स , नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान से सामाजिक विज्ञान एवं कृषि के क्षेत्र में अनुसंधान सहायकों और इंटर्न की भर्ती करना चाहता है। वे सभी शोधार्थी, छात्र छात्रायें दोनो संस्थानों के संयुक्त तत्वावधान में अनुसंधान गतिविधियों को पूरा कर सकते हैं। आवेदकों के पास आदर्श रूप से सामाजिक विज्ञान एवं कृषि के किसी भी क्षेत्र में स्नातकोत्तर डिग्री होनी चाहिए या वो विश्व के किसी भी विश्वविधालय में शोधछात्र हों। अनुसंधान सहायकों को वरिष्ठ शिक्षाविदों, पत्रकार एवं सामाजिक और न्याय के अनुभवों के मार्गदर्शन में अपने शोध कार्य को प्रकाशित करने का अवसर मिलेगा। चयनित अनुसंधान सहायकों को उनके शैक्षणिक शोध कार्य के लिए प्रति माह पांच हजार रुपया का मासिक पारिश्रमिक प्राप्त होगा। इंटर्नशिप एक स्वैच्छिक पद है।

इंटर्न छात्र छात्राओं को सोशल मीडिया संचार में तीन महीने के लिए रखा जाएगा। विद्वानों, सहायक अनुसंधानों को उनके शैक्षणिक कार्यों में सहायता करते हुए शोध लेखन कार्य सिखाया जाएगा। सफल समापन पर वे एक कार्य प्रमाण पत्र के हकदार होंगे। आवेदन करने के लिए, अपने बायोडाटा और संपर्क विवरण के साथ एक आवेदन ईमेल करें :

निदेशक (अकादमिक), सेंटर फॉर नरेंद्र मोदी स्टडीज के ईमेल पर directorcnms@gmail.com, modistudies@gmail.com या इस नंबर पर व्हाट्सएपः+91-99970 63595 कर सकते हैं।

अध्ययन केंद्र का कार्य नई दिल्ली के दीन दयाल उपाध्याय मार्ग स्थित अध्ययन केंद्र , अलीगढ़ के पंजीपुर रामगढ़ स्थिति नमो केंद्र एवं निजामुद्दीन वेस्ट, नई दिल्ली के शाखाओं में होगा। आवेदन करने की अंतिम तिथि 10 अगस्त 2022 है।

सबमें राम, सबके राम
राम काज हेतु जीवन अब कहाँ विश्राम।
राम काज कीजै बिना, मोहे कहां विश्राम।।
— श्री नरेंद्र मोदी

नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र

Centre for Narendra Modi Studies (CNMS)

Chandhrashekhar Bhawan, 13 B, Vishnu Digamber Marg, Rouz Avenue, New Delhi-110002 (INDIA)
Reg. Office: 29, GF, Muzzammil Complex, Dodhpur, Civil Lines, Aligarh-202001 (UP) INDIA
Study Centre: 'NaMo Kendra', Qila Enclave, Ramgarh-Panjoopur, Aligarh-202001 (U.P.) INDIA
modistudies@gmail.com, directorcnms@gmail.com I www.namostudies.com
99970 63595 | @namostudies

PAN- AACTC8825B